B.A. I Part
Hindi Hons
Paper I
तुलसीदास का
अयोध्याकांड

डॉ० अलका प्रकाश
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
इविंग क्रि० कॉलेज
इलाहाबाद

घटना का ऐसा औचित्य निर्वाह अयोध्याकांड में दिखाई देता है जैसा अन्यत्र नहीं। दृश्य योजना, घटना विकास, परिस्थिति निर्माण इत्यादि की दृष्टि से अयोध्याकांड कवि के प्रबंध कौशल का उत्कृष्टतम उदाहरण है।

कथा प्रसंग के भीतर मार्मिक स्थलों की पहचान की बात अयोध्या कांड में सर्वाधिक मिलता है। अयोध्याकांड में कथा विकास के बीच भाव-भरे मर्म स्थल आते हैं जब-जब कथा प्रवाह और भाव एवं व्यंजना के हित में रुककर गया है। ऐसे मर्म स्थल हैं — कैकेयी का दो वरदान माँगना, राम वन गमन, वन मार्ग में ग्राम वधूटियों का सीता से राम का परिचय पूछना, चित्रकूट में भरत मिलाप, चित्रकूट की धर्म सभा इत्यादि। इन प्रसंगों का उपयोग रस व्यंजना के लिए कवि ने किया है।

शील निरूपण तथा चरित्र-चित्रण की दृष्टि से भी अयोध्याकांड महत्वपूर्ण है। राम, लक्ष्मण, भरत, कैकेयी, दशरथ, मंथरा, कौशल्या इत्यादि के चरित्र का प्रायः पूर्ण विकास अयोध्याकांड के

क्रमशः —

B.A. I Part
Hindi Hons, paper I
तुलसीदास का अयोध्याकांड

अन्तर्गत हो जाता है जिनमें उनकी प्रायः सभी चारित्रगत विशेषताओं का उद्घाटन हो जाता है। इसीलिए तुलसीदास के लिए किसी पात्र के चरित्र के अन्दर किसी विशेष प्रवृत्ति को स्वाभाविक दिखाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि बार-बार दिखाना आवश्यक है। तुलसी ने राम के चरित्र के अन्दर शील व सामाजिक नीति को इसी रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए निर्मित करके उसे कई अवसरों पर दिखाया है। अयोध्याकांड में ऐसे अवसर कई बार आते हैं। राम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही है। अचानक स्थिति बदल जाती है। कैकेयी भरत को राजगद्दी और राम को वनवास का वर दशरथ से माँगती है और ले लेती है। पर यह समाचार सुनकर राम न अधीर होते हैं न विचलित। वनगमन के प्रसंग में उनके चेहरे पर चिन्ता और दुःख की कोई रेखा दिखाई नहीं देती। फिर चित्रकूट में ससैन्य भरत को आते देख लक्ष्मण क्रोध से भर जाते हैं पर राम शांत और विश्वास भरे रहते हैं। भरत पर उनको [illegible] नहीं आती है। इसी तरह के और भी कई ऐसे अवसर आते हैं जब राम अपने शील का परिचय देते हैं। इस प्रकार शील व सामाजिक नीति राम के चरित्र में इसी रूप में प्रतिष्ठित हो जाती है।

उपर्युक्त विशेषताओं के कारण वस्तुतः अयोध्याकांड को रामचरितमानस का हृदय कहा जा सकता है।

क्रमशः —

(3)

18/7/20

B.A. I Part Hindi Hons, Paper I

तुलसी के अयोध्याकांड के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1×10 = 10

(1) रामचरितमानस के कवि कौन है?

(2) अयोध्याकांड रामचरितमानस का भाग है या नहीं।

(3) रामवन गमन प्रसंग रामचरितमानस के किस कांड का प्रसंग है।

(4) रामचरितमानस भक्ति काव्य है या नहीं।

(5) अयोध्याकांड मानस का हृदय है या नहीं।

(6) चित्रकूट की सभा में भरत की वंदना हुई है या नहीं।

(7) मार्मिक स्थलों की पहचान में तुलसी सफल हैं या नहीं।

(8) तुलसी का सर्वश्रेष्ठ काव्य कौन सा है?

(9) अयोध्याकांड में तुलसी ने किसके वन गमन का वर्णन किया है।

(10) नर-नारी किसके वन-गमन की पीड़ा से दुखी थे।